कॉलेज-स्कूल समन्वय का अनूठा प्रयास • बच्चों को दिखाया करियर का रास्ता, कोदवागोडान में उच्च शिक्षा की नई अलख जगाई

स्कूल पहुंचे प्रोफेसर, छात्रों से कहा- लक्ष्य तय करें, विज्ञान और भाषा कौशल से संवारें भविष्य

भास्कर न्यूज | कुकदूर

वनांचल क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा और बेहतर करियर के अवसरों से जोड़ने की पहल के तहत शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर ने शासकीय आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम उच्चतर माध्यमिक स्कूल ग्राम कोदवागोडान में विशेष अकादमिक एवं प्रेरणात्मक कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में कॉलेज के प्राध्यापकों ने स्कूल पहुंचकर विद्यार्थियों को न केवल उच्च शिक्षा की जानकारी दी, बल्कि उनके भीतर भविष्य को लेकर नई सोच और आत्मविश्वास भी जगाया।

कार्यक्रम संस्था के सामाजिक उत्तरदायित्व (आईएसआर) के तहत आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य ग्रामीण और वनांचल के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, करियर निर्माण, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, व्यक्तित्व विकास और वैज्ञानिक सोच के प्रति जागरूक करना था। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जीए घनश्याम के नेतृत्व में शिक्षकों का दल स्कूल पहुंचा, जहां स्कूल परिवार ने उनका स्वागत किया। इसके बाद विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने खुलकर अपने सवाल रखे और विशेषज्ञ शिक्षकों से मार्गदर्शन प्राप्त किया।

कॉलेज के प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों के भीतर भविष्य को लेकर नई सोच और आत्मविश्वास भी बढ़ाया

कुकदूर. स्कूली बच्चों को करियर संबंधित जानकारी दी गई।

वनांचल के बच्चों तक पहुंची उच्च शिक्षा की रोशनी

ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों में ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए बेहद उपयोगी साबित होते हैं। अक्सर जानकारी के अभाव में कई प्रतिभाशाली विद्यार्थी उच्च शिक्षा के अवसरों से वंचित रह जाते हैं। ऐसे में स्कूलों तक पहुंचकर मार्गदर्शन देना उनके भविष्य को नई दिशा दे सकता है। कार्यक्रम में स्कूल के शिक्षक, कर्मचारी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में स्कूल परिवार ने कॉलेज के शिक्षकों को भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन की अपेक्षा जताई।

समस्याओं के समाधान का सबसे बड़ा हथियार है विज्ञान

रसायन शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. एसी वर्मा ने विद्यार्थियों को विज्ञान की उपयोगिता समझाते हुए कहा कि विज्ञान केवल किताबों तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह जीवन की समस्याओं को हल करने की प्रभावी पद्धति है। उन्होंने विद्यार्थियों को जिज्ञासु बनने, प्रयोग करने और नवाचार की दिशा में सोच विकसित करने का संदेश दिया।

शिक्षा सिर्फ नौकरी नहीं व्यक्तित्व निर्माण का माध्यम

अपने संबोधन में प्राचार्य डॉ. जीए घनश्याम ने कहा कि आज के दौर में शिक्षा का अर्थ केवल परीक्षा पास करना नहीं है। शिक्षा व्यक्ति के व्यक्तित्व, सोच और सामाजिक चेतना को विकसित करती है। उन्होंने विद्यार्थियों को स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा दी। साथ ही कॉलेज में उपलब्ध पाठ्यक्रमों और सुविधाओं की जानकारी भी साझा की।

विद्यार्थियों को रोजगार व प्रतियोगी परीक्षाओं पर मिला मार्गदर्शन

प्राणिशास्त्र विभाग की सहायक प्राध्यापक रामरती निषाद ने विद्यार्थियों को विज्ञान विषयों में उपलब्ध करियर और रोजगार के अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता और वैज्ञानिक चेतना के महत्व पर भी प्रकाश डाला। साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और उच्च शिक्षा के विभिन्न विकल्पों पर उपयोगी जानकारी साझा की। कार्यक्रम का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा संवादात्मक सत्र रहा। विद्यार्थियों ने विषय चयन, कॉलेज प्रवेश, प्रतियोगी परीक्षाओं, रोजगार संभावनाओं और करियर निर्माण से जुड़े कई सवाल पूछे। शिक्षकों ने विस्तार से जवाब देते हुए विद्यार्थियों को भविष्य की शैक्षणिक और व्यावसायिक संभावनाओं के बारे में जानकारी दी। विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम को जीवंत बना दिया।

भाषा व अभिव्यक्ति को सफलता की कुंजी बताया, महत्व समझाया

हिन्दी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. चन्द्रशेखर सिंह राजपूत ने विद्यार्थियों को भाषा और संप्रेषण कौशल के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि प्रभावी अभिव्यक्ति व्यक्ति को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद करती है। नियमित अध्ययन, पठन-पाठन और साहित्यिक गतिविधियों में भागीदारी से व्यक्तित्व का समग्र विकास संभव है।

दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 23-06-2026

विशेष शिविर • मानसिक-शारीरिक स्वास्थ्य के साथ पर्यावरण संरक्षण का भी लिया संकल्प

भैसाओदार की वादियों में गूंजा योग का संदेश एनएसएस विद्यार्थियों ने किया ध्यान-प्राणायाम

भास्कर न्यूज़ | कुकदूर

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई ने योग और प्रकृति संरक्षण का अनूठा संगम प्रस्तुत किया। कबीरधाम जिले के प्रसिद्ध प्राकृतिक पर्यटन स्थल भैसाओदार में आयोजित विशेष योग शिविर और जागरूकता कार्यक्रम में कॉलेज के प्राध्यापक, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्राकृतिक वातावरण के बीच आयोजित इस कार्यक्रम ने योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ युवाओं को प्रकृति के करीब रहने का संदेश भी दिया। कॉलेज प्राचार्य डॉ. जीए घनश्याम के निर्देशन तथा एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी रामरती के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। सुबह से ही भैसाओदार के मनमोहक वातावरण में छात्र-छात्राएं एकत्र हुए और योगाभ्यास के माध्यम से दिन की शुरुआत की।

विभिन्न योगासन, प्राणायाम किए कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास किया। प्रतिभागियों को ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, अनुलोम-विलोम, कपालभाति सहित कई महत्वपूर्ण योग क्रियाओं का अभ्यास कराया गया। विद्यार्थियों को सही श्वास तकनीक, शरीर की लचक बढ़ाने और मानसिक एकाग्रता विकसित करने के तरीके बताए।

कुकदूर. भैसाओदार में योग दिवस पर पहुंचे कुकदूर कॉलेज के एनएसएस विद्यार्थी।

प्रतिभागियों को एक अलग अनुभव मिला

कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि इसे किसी भवन या सभागार के बजाय भैसाओदार जैसे प्राकृतिक स्थल पर आयोजित किया गया। चारों ओर हरियाली, पहाड़ों और प्राकृतिक सौंदर्य के बीच योगाभ्यास करने से प्रतिभागियों को एक अलग अनुभव मिला। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रकृति के महत्व से जोड़ना और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना भी था। योग सत्र के बाद विद्यार्थियों और प्राध्यापकों ने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया। इस दौरान प्रकृति और मानव जीवन के बीच गहरे संबंध पर चर्चा की गई।

योग को जीवन जीने की एक समग्र पद्धति बताया

प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए योग के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक समग्र पद्धति है, जो शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करती है। आज की भागदौड़ भरी और तनावपूर्ण जीवनशैली में योग मानसिक शांति, आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। विद्यार्थियों को नियमित रूप से योग करने की सलाह देते हुए कहा गया कि इससे न केवल स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि अध्ययन, दैनिक कार्यों में भी एकाग्रता बढ़ती है।

कंझेटा विद्यालय में मंत्र का उच्चारण कर साधना की

कुंडा| हायर सेकेंडरी स्कूल ग्राम कंझेटा में भी 21 जून को योग दिवस के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस मौके पर पतंजलि योग पीठ हरिद्वार से प्रशिक्षित योगाचार्य निमेश चंद्रवंशी, संगीता चंद्रवंशी द्वारा स्कूली बच्चों, ग्रामीणों, शिक्षकों व स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्यों को योगाभ्यास कराया। संस्था प्राचार्य संजय वैष्णव ने बच्चों को जीवन में नियमित योग व ध्यान का महत्व बताया। कार्यक्रम की शुरुआत ओंकार ध्वनि, गायत्री मंत्र, महामृत्युंजय मंत्र के उच्चारण के साथ हुई। यहां कई प्रकार के योगाभ्यास कराए गए। इस मौके पर शिवानी वर्गिस, नंदनी लांझेकर, सुषमा लांझेकर, हीरालाल चंद्रवंशी, मोहन शर्मा, परमेश मरावी, गोकुल चंद्रवंशी समेत ग्रामीण उपस्थित थे।

मार्गदर्शन • नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर ने कामठी में विद्यार्थियों को किया जागरूक

शिक्षा ग्रहण कर बेहतर करियर बनाने किया प्रेरित

भास्कर न्यूज | कुकदूर

शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर ने संस्थागत सामाजिक दायित्व (आईएसआर) के तहत ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के प्रति जागरूक और प्रेरित करने के उद्देश्य से शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल ग्राम कामठी में विशेष अकादमिक कार्यक्रम किया। प्राचार्य डॉ.जीए घनश्याम के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम ने स्कूली विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा और बेहतर करियर की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्राध्यापकों एवं स्टाफ ने विद्यालय पहुंचकर विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों पर विशेष कक्षाओं के माध्यम से मार्गदर्शन दिया।

अंग्रेजी सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों की जटिल अवधारणाओं को सरल एवं सहज भाषा में समझाया गया, जिससे विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता और विषयों के प्रति रुचि बढ़ी। विद्यार्थियों के लिए करियर काउंसिलिंग सत्र भी आयोजित किया गया। इसमें उच्च शिक्षा के विभिन्न विकल्पों, प्रतियोगी परीक्षाओं, रोजगार के अवसरों तथा व्यक्तित्व विकास के महत्वपूर्ण पहलुओं पर जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने और शिक्षा को सफलता का सबसे प्रभावी माध्यम मानने के लिए प्रेरित किया गया।

कुकदूर. हायर सेकेंडरी स्कूल कामठी में बच्चों को करियर मार्गदर्शन दिया।

संयुक्त बैठक में शिक्षा संबंधित हुई चर्चा: अकादमिक सत्र के बाद शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर के प्राध्यापकों व ग्राम कामठी स्कूल के प्रबंधन और शिक्षकों के बीच संयुक्त बैठक हुई। स्कूली शिक्षा और उच्च शिक्षा के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने, विद्यार्थियों को कॉलेज जीवन के लिए तैयार करने तथा उनके सर्वांगीण विकास के लिए साझा प्रयासों पर विस्तृत चर्चा की गई। दोनों संस्थानों ने भविष्य में भी ऐसे शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित करने पर सहमति व्यक्त की।

स्कूली विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करना जरूरी

कार्यक्रम के दौरान कॉलेज की ओर से यह संदेश दिया गया कि शिक्षा संस्थानों की जिम्मेदारी केवल डिग्री प्रदान करना नहीं है, बल्कि समाज के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इस प्रकार के प्रयास से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास का विकास होता है। वे उच्च शिक्षा के प्रति अधिक जागरूक होकर अपने भविष्य के लिए बेहतर निर्णय ले पाते हैं। इस आयोजन में कॉलेज के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एसी वर्मा, डॉ. चंद्रशेखर सिंह राजपूत, रामरती निषाद व स्कूल की प्राचार्य हेमलता टंडन आदि मौजूद थे।

कुई-कुकदूर कॉलेज की अनूठी पहल • युवाओं ने सीखा समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का पाठ

1200 फीट ऊंचे पहाड़ पर बसे सेजाडीह पहुंची शिक्षा की टोली, बच्चों को बांटी अध्ययन सामग्री

भास्कर न्यूज | कुकदूर

घने जंगल, ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी रास्ते और समुद्र तल से करीब 1200 फीट की ऊंचाई पर बसा छोटा सा गांव सेजाडीह। जहां पहुंचना आसान नहीं, लेकिन शिक्षा और सेवा का जज्बा लेकर शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदुर के प्राध्यापक और छात्र-छात्राएं वहां तक पहुंचे। उनका उद्देश्य सिर्फ अध्ययन सामग्री बांटना नहीं था, बल्कि उन बच्चों तक यह संदेश पहुंचाना था कि समाज उनके साथ खड़ा है और उनके सपनों की उड़ान में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व (आईएसआर) के तहत आयोजित इस विशेष अभियान ने यह साबित किया कि उच्च शिक्षा केवल डिग्री हासिल करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के प्रति संवेदनशील नागरिक तैयार करने की प्रक्रिया भी है। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जीए घनश्याम के नेतृत्व में कॉलेज परिवार ने वनांचल के बच्चों के बीच पहुंचकर शिक्षा और सामाजिक दायित्व का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया। इसकी सराहना की गई।

वनांचल में जहां सड़कें मुश्किल थीं, वहां विद्यार्थियों ने बच्चों के सपनों को दिया सहारा

कुकदूर . कॉलेज की टीम ने बच्चों को नाश्ता दिया।

शिक्षा को जीवन बदलने का बड़ा माध्यम बताया

प्राचार्य डॉ. जीए घनश्याम ने बच्चों को नियमित स्कूल आने और शिक्षा को जीवन बदलने का सबसे बड़ा माध्यम बताते हुए मन लगाकर पढ़ाई करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह शक्ति है, जो दूरस्थ और पिछड़े क्षेत्रों के बच्चों को भी नई पहचान दिला सकती है। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एसी वर्मा और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की कार्यक्रम अधिकारी रामरती निषाद ने कहा कि समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाना हर शिक्षित युवा का कर्तव्य है। ऐसे कार्यक्रम युवाओं में सेवा, नेतृत्व और संवेदनशीलता की भावना विकसित करते हैं, जो भविष्य में एक बेहतर समाज के निर्माण की आधारशिला बनते हैं।

सामाजिक उत्तरदायित्व का दिया गया संदेश

यह आयोजन केवल अध्ययन सामग्री वितरण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह शिक्षा, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व का ऐसा संदेश बन गया, जिसने यह साबित कर दिया कि जब युवा समाज के लिए आगे आते हैं तो दूरियां भी छोटी पड़ जाती हैं और उम्मीदों की नई रोशनी सबसे दूर बसे गांवों तक पहुंच जाती है।

कॉलेज परिवार के इस प्रयास की सराहना की, आगे भी जारी रखेंगे

इस अभियान की सफलता में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों और कॉलेज के छात्र-छात्राओं उमाशंकर गबेल, स्नेहा तिवारी, जया वर्मा, श्रुति वर्मा, पुष्पलता, सविता व पूर्णिमा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दुर्गम पहाड़ी रास्तों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम को सफल बनाया। स्थानीय ग्रामीणों और विद्यालय प्रबंधन ने कॉलेज परिवार की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास दूरस्थ क्षेत्रों के बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाते हैं और उन्हें यह भरोसा दिलाते हैं कि मुख्यधारा का समाज उनके विकास को लेकर गंभीर है।

बच्चों के चेहरों पर दिखा उत्साह

सेजाडीह स्थित शासकीय प्राथमिक शाला में जैसे ही कॉलेज की टीम पहुंची, बच्चों के चेहरों पर उत्साह साफ दिखाई देने लगा। स्वयंसेवकों ने बच्चों से आत्मीय संवाद किया और उन्हें कॉपी, पेन, पेंसिल, रंग सहित अन्य आवश्यक अध्ययन सामग्री वितरित की। छोटे-छोटे हाथों में नई कॉपियां और रंगीन पेंसिल आते ही बच्चों की मुस्कान इस पहल की सबसे बड़ी सफलता बन गई। इसके साथ ही सभी बच्चों के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था भी की गई।

दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 28-06-2026

छात्रों को बताया सफलता का मंत्र

करियर मार्गदर्शन शिविर: प्रतियोगी परीक्षा और नई शिक्षा नीति की दी जानकारी

भास्कर न्यूज | कुकदूर

शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर द्वारा संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व (आईएसआर) अंतर्गत हायर सेकेंडरी स्कूल ग्राम नेऊर में एक दिवसीय शैक्षणिक व करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यालय के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 तथा व्यक्तित्व विकास के प्रति जागरूक व प्रेरित करना था।

कॉलेज प्राचार्य डॉ.जीए घनश्याम ने अपने संबोधन में कहा कि ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों के विद्यार्थियों में अपार प्रतिभा होती है। आवश्यकता केवल उचित मार्गदर्शन, सकारात्मक सोच और सतत परिश्रम की है। उन्होंने विद्यार्थियों से समय का सदुपयोग करते हुए अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का आह्वान किया तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत उपलब्ध नवीन अवसरों की जानकारी दी। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एसी वर्मा ने विज्ञान शिक्षा की उपयोगिता, प्रयोगात्मक अध्ययन तथा अनुसंधान की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जिज्ञासा व नवाचार की भावना ही विद्यार्थियों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाती है।

कुकदूर. कार्यक्रम में कॉलेज व स्कूल के कर्मचारियों का सहयोग मिला।

साहित्य के माध्यम से जीवन मूल्यों को आत्मसात करें: इस कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापक (हिन्दी) डॉ. सीएस राजपूत ने प्रभावी संवाद कौशल, भाषा की शुद्धता तथा भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, पठन-पाठन की आदत विकसित करने तथा साहित्य के माध्यम से जीवन मूल्यों को आत्मसात करने की प्रेरणा दी। सहायक प्राध्यापक (प्राणिशास्त्र) रामरती निषाद ने विद्यार्थियों को जैव विविधता संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। उन्होंने जीव विज्ञान विषय में उपलब्ध उच्च शिक्षा व रोजगार की संभावनाओं की जानकारी दी।

संवाद सत्र भी आयोजित हुआ

विद्यार्थियों के साथ संवाद सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें उन्होंने विषय चयन, कॉलेज में प्रवेश प्रक्रिया, छात्रवृत्ति योजनाओं, प्रतियोगी परीक्षाओं व करियर निर्माण से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे। प्राध्यापकों ने उनकी जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें भविष्य की तैयारी के लिए उपयोगी सुझाव प्रदान किए। स्कूल परिवार नेऊर ने कॉलेज की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम ग्रामीण विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा से जोड़ने व उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के अंत में दोनों संस्थानों ने भविष्य में भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए संयुक्त रूप से शैक्षणिक, सामाजिक व नवाचार आधारित गतिविधियों के आयोजन की सहमति व्यक्त की।

करियर मार्गदर्शन सहित उच्च शिक्षा व प्रतियोगी परीक्षाओं की दी जानकारी

शासकीय कुई-कुकदूर नवीन कॉलेज की आईएसआर की पहल

भास्कर न्यूज | कुकदूर

शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर द्वारा संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व (आईएसआर) अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल ग्राम पोलमी में शैक्षणिक व करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण वनांचल क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, प्रतियोगी परीक्षाओं तथा रोजगार के अवसरों के प्रति जागरूक करना था।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जीए घनश्याम ने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर परिश्रम करने तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एसी वर्मा ने विज्ञान शिक्षा, अनुसंधान एवं नवाचार की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। सहायक प्राध्यापक डॉ. सीएस राजपूत ने भाषा, संवाद कौशल एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्व पर विचार व्यक्त किए, जबकि सहायक प्राध्यापक रामरती निषाद ने जैव विविधता संरक्षण, पर्यावरण जागरूकता तथा जीव विज्ञान में उच्च शिक्षा व रोजगार की संभावनाओं की जानकारी दी।

कुकदूर . दोनों संस्था ने भविष्य में भी इसी प्रकार के आयोजन कराने कहा।

प्रश्नोत्तर व संवाद सत्र का हुआ आयोजन: कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के साथ प्रश्नोत्तर एवं संवाद सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रवेश प्रक्रिया, छात्रवृत्ति, विषय चयन, प्रतियोगी परीक्षाओं व करियर निर्माण से जुड़े प्रश्नों का विशेषज्ञों ने समाधान किया। स्कूल के प्राचार्य व शिक्षकों ने कॉलेज की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने और उन्हें उच्च शिक्षा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के अंत में दोनों संस्थानों ने भविष्य में भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए संयुक्त रूप से शैक्षणिक एवं नवाचार आधारित गतिविधियों के आयोजन पर सहमति व्यक्त की।

दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 04-07-2026

करियर मार्गदर्शन • कुई-कुकदूर कॉलेज में विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, रोजगार व परीक्षाओं की दी जानकारी

सफलता का मंत्र: लक्ष्य तय करें, अंग्रेजी पर पकड़ बनाएं

भास्कर न्यूज | कुकदूर

शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर द्वारा संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व (आईएसआर) अंतर्गत शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल कुकदूर में उच्च शिक्षा व करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं, छात्रवृत्ति तथा रोजगार के अवसरों की विस्तृत जानकारी दी गई।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ.जीए घनश्याम ने विद्यार्थियों को लक्ष्य आधारित अध्ययन, अनुशासन एवं सतत अभ्यास का महत्व बताते हुए कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धी दौर में अंग्रेजी भाषा पर प्रभावी पकड़ उच्च शिक्षा, शोध, प्रतियोगी परीक्षाओं तथा वैश्विक रोजगार के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रतिदिन अंग्रेजी पढ़ने, बोलने और लिखने का अभ्यास करने कहा। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 से प्राप्त अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने पर जोर: वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एसी वर्मा ने विज्ञान शिक्षा में जिज्ञासा, प्रयोगधर्मिता व वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने पर बल देते हुए कहा कि नवाचार एवं अनुसंधान की सोच ही विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करती है।सहायक प्राध्यापक डॉ.सीएस राजपूत ने प्रभावी संवाद कौशल, व्यक्तित्व विकास, पठन संस्कृति तथा भारतीय ज्ञान परंपरा के समन्वय की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भाषा दक्षता और नैतिक मूल्य सफलता के महत्वपूर्ण आधार हैं। सहायक प्राध्यापक रामरती निषाद ने जैव विविधता संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन और प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने जीव विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान तथा संबद्ध क्षेत्रों में उच्च शिक्षा, शोध व रोजगार की उभरती संभावनाओं की जानकारी भी विद्यार्थियों को दी।

कुकदूर . विद्यार्थियों को करियर संबंधित जानकारी दी गई।

प्रश्नोत्तर कार्यक्रम में बच्चों ने किए करियर से जुड़े सवाल

कार्यक्रम में प्रश्नोत्तर व संवाद सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों की प्रवेश प्रक्रिया, विषय चयन, छात्रवृत्ति, प्रतियोगी परीक्षाओं तथा करियर निर्माण से संबंधित जिज्ञासाओं का विशेषज्ञों ने समाधान किया। स्कूल के प्राचार्य राजेश कुमार ध्रुवे ने कॉलेज की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्र के विद्यार्थियों में उच्च शिक्षा के प्रति जागरूकता और आत्मविश्वास बढ़ाने में उपयोगी सिद्ध होते हैं। कार्यक्रम के अंत में दोनों संस्थानों ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए भविष्य में भी संयुक्त रूप से शैक्षणिक, नवाचार व करियर उन्मुख गतिविधियों के आयोजन पर सहमति व्यक्त की।

॥ समाज - संस्था ब्रीफ ॥

नवीन महाविद्यालय में शुरू हुई स्नातक की परीक्षा

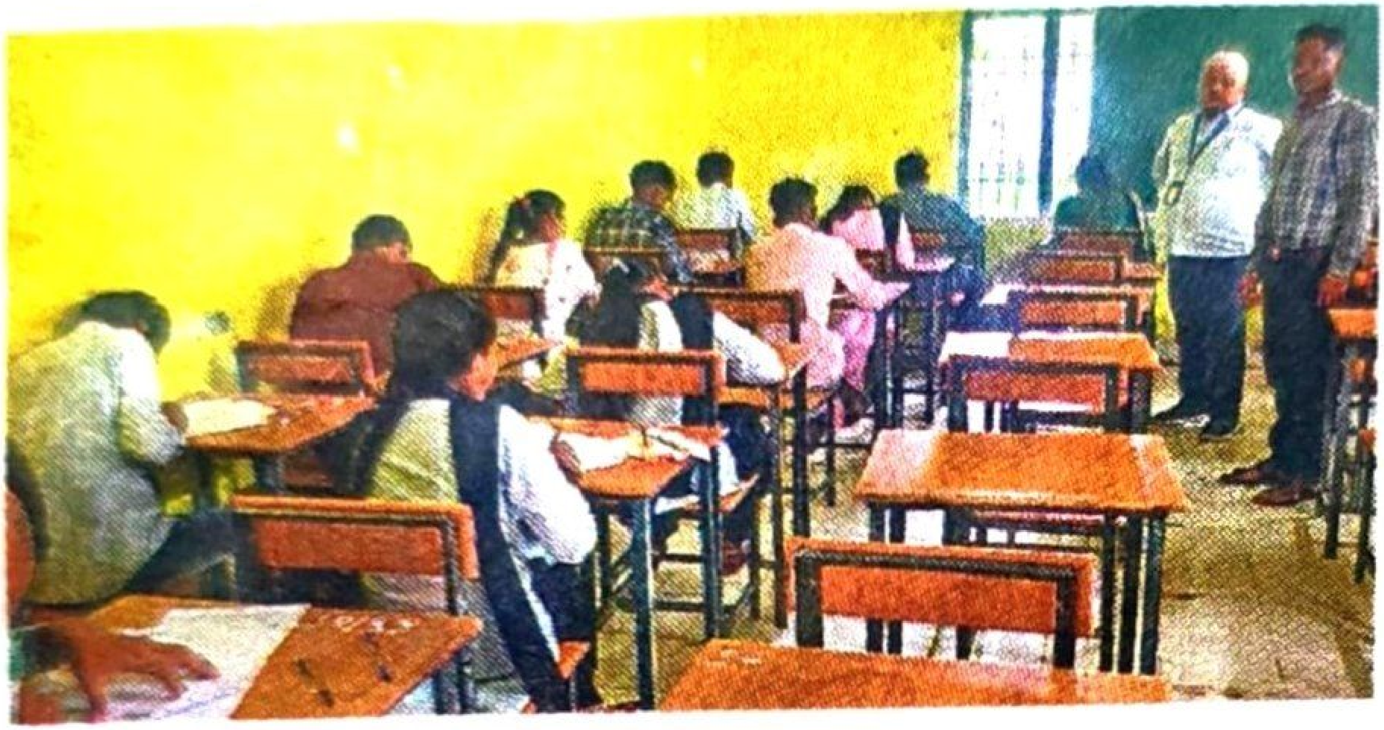

कुकदूर| शासकीय नवीन महाविद्यालय कुई-कुकदूर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत द्वितीय व चतुर्थ सेमेस्टर स्नातक परीक्षा (जून-2026) शुरू हो गई है। परीक्षा का संचालन 7 जुलाई से शुरू हो गया है। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जा रही है। प्राचार्य प्रो. जीए घनश्याम ने बताया कि प्रथम पाली सुबह 10.30 से दोपहर 1.30 बजे तक और द्वितीय पाली दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक संचालित हो रही है। दोनों पालियों में 113-113 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। महाविद्यालय प्रशासन ने परीक्षार्थियों के लिए नियमानुसार सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। ताकि परीक्षा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 19-07-2026

चल रहा है।

कुई-कुकदूर कॉलेज में बनेगा एलुमनी एसोसिएशन

भास्कर न्यूज | कुकदूर

शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर में कॉलेज के पूर्व विद्यार्थियों को एक सशक्त मंच प्रदान करने तथा उनके अनुभव, सहयोग एवं मार्गदर्शन को संस्थान के विकास से जोड़ने के उद्देश्य से एलुमनी एसोसिएशन (भूतपूर्व विद्यार्थी परिषद) का गठन किया जा रहा है। कॉलेज प्रशासन ने वर्ष 2020 से बीए, बीएससी, बीकॉम, एमएससी व एमए उत्तीर्ण सभी विद्यार्थियों से सदस्यता ग्रहण कर एलुमनी एसोसिएशन से जुड़ने का आग्रह किया है।

प्राचार्य डॉ. जीए घनश्याम ने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्था की वास्तविक पहचान उसके पूर्व विद्यार्थियों की उपलब्धियों से होती है। एलुमनी एसोसिएशन व पूर्व विद्यार्थियों के मध्य सशक्त संवाद स्थापित करेगा तथा संस्थान के शैक्षणिक, सांस्कृतिक व सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ.एसी वर्मा ने बताया कि एलुमनी एसोसिएशन के माध्यम से विद्यार्थियों को करियर मार्गदर्शन, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहयोग देंगे।

ऑनलाइन पंजीयन भी करा सकते हैं

सहायक प्राध्यापक (हिंदी) डॉ. सीएस राजपूत को एलुमनी एसोसिएशन गठन का समन्वय दायित्व सौंपा गया है। उन्होंने बताया कि सदस्यता अभियान प्रारंभ कर दिया गया है। सभी पात्र पूर्व विद्यार्थी निर्धारित सदस्यता प्रपत्र भरकर अथवा उपलब्ध क्यूआर कोड के माध्यम से ऑनलाइन पंजीयन कर सकते हैं। यह मंच कॉलेज परिवार को आजीवन जोड़ने का माध्यम बनेगा और शिक्षा, संस्कार, सहयोग एवं सेवा की भावना को आगे बढ़ाएगा। आईक्यूएसी समन्वयक रामरती निषाद ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में पूर्व विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करेगा। कार्यक्रमों में एलुमनी की सक्रिय भूमिका को प्रोत्साहित किया जाएगा। सदस्यता संबंधी जानकारी के लिए डॉ.सीएस राजपूत के मोबाइल नंबर 9926817981 से संपर्क करें।

शिक्षा • विधायक भावना बोहरा ने कहा- डिजिटल प्लेटफॉर्म से छात्रों को मिलेंगी सुविधाएं

कुई-कुकदूर कॉलेज ने लॉन्च की अपनी वेबसाइट

भास्कर न्यूज | कुकदूर

उच्च शिक्षा में डिजिटल तकनीक को बढ़ावा देने की दिशा में शासकीय नवीन कॉलेज, कुई-कुकदूर ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट gnckuikukdur.org का शुभारंभ किया। कॉलेज के सेमिनार हॉल में आयोजित समारोह में पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने वेबसाइट का लोकार्पण किया।

विधायक भावना बोहरा ने कहा कि वर्तमान समय में डिजिटल माध्यम शिक्षा का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। कॉलेज की वेबसाइट विद्यार्थियों, अभिभावकों और आम नागरिकों के लिए सूचना का विश्वसनीय मंच साबित होगी। इसके माध्यम से प्रवेश, परीक्षा,

कुकदूर . कार्यक्रम को संबोधित करतीं भावना बोहरा।

छात्रवृत्ति, शैक्षणिक गतिविधियां, विभिन्न योजनाएं और कॉलेज की उपलब्धियों की जानकारी आसानी से उपलब्ध होगी। उन्होंने इस पहल को क्षेत्र की उच्च शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. जीए घनश्याम ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और डिजिटल इंडिया अभियान के अनुरूप कॉलेज आधुनिक तकनीक को अपनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है। वेबसाइट विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के बीच संवाद का प्रभावी माध्यम बनेगी तथा प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता बढ़ाएगी। इस कार्यक्रम में रामरती निषाद, लक्ष्मण रजक, जलेश, शिवचरण, लक्ष्मण सिंह, उमाशंकर गबेल, राहुल बघेल, ओमप्रकाश समेत विद्यार्थी उपस्थित थे।

विभिन्न सुविधाओं का किया प्रदर्शन

समारोह में वेबसाइट की विभिन्न सुविधाओं का प्रदर्शन भी किया गया। अतिथियों और विद्यार्थियों को प्रवेश प्रक्रिया, शैक्षणिक कैलेंडर, सूचना पट्ट, विभागीय गतिविधियों, एनईपी-2020 से जुड़ी जानकारी तथा अन्य ऑनलाइन सेवाओं से अवगत कराया गया। कार्यक्रम का संचालन मंगेश देवपुजारी ने किया, जबकि डॉ. सीएस राजपूत ने आभार व्यक्त किया। कॉलेज परिवार ने विश्वास जताया कि नई वेबसाइट से संस्थान की शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों की जानकारी अधिक प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचेगी। वेबसाइट निर्माण में प्रमुख भूमिका डॉ धीरज शर्मा की रही, जो वेबसाइट निर्माण करने वाले मयंक देवांगन से सतत संपर्क में रहकर विभिन्न पहलुओं पर बारीकी से निगरानी कार्य किए।

शि क्षा र्थ आ ई ये

दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 22-07-2026

कुई-कुकदूर कॉलेज में सीमेंट सोफा दान अभियान, 20 मिले

जनसहभागिता से स्टूडेंट्स के लिए जुटा रहे सुविधा

भास्कर न्यूज | कुकदूर

शासकीय नवीन कॉलेज परिसर कुई-कुकदूर में विद्यार्थियों के बैठने सीमेंट सोफा स्थापित करने का जनसहभागिता अभियान शुरू किया है। कॉलेज प्रबंधन ने समाज के प्रबुद्ध नागरिकों, पूर्व विद्यार्थियों, जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों व दानदाताओं से इस कार्य में सहयोग करने का आह्वान किया है।

प्राचार्य डॉ.जीए घनश्याम ने बताया कि कॉलेज में प्रतिदिन बड़ी संख्या में विद्यार्थी अध्ययन के लिए आते हैं। परिसर में वृक्षों की छाया के बीच विद्यार्थियों के अध्ययन, चर्चा व विश्राम के लिए अतिरिक्त बैठने की व्यवस्था की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। इसी उद्देश्य को लेकर 30 सीमेंट सोफा स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि कोई भी इच्छुक व्यक्ति अपने स्वयं के नाम, अपने माता-पिता, गुरुजनों, परिवार के सदस्य अथवा किसी प्रियजन की स्मृति में मात्र 2500 रुपए का सहयोग प्रदान कर एक सीमेंट सोफा दान कर सकता है। यह सहयोग विद्यार्थियों के हित में स्थायी योगदान होगा, जिससे वर्षों तक हजारों विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। बताया गया कि अभी तक 20 सीमेंट का सोफा दानदाताओं से प्राप्त हो चुका है। 10 और सिमेंट सोफा की आवश्यकता है।

से वा र्थ जा ई ये

दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 31-07-2026

परिचर्चा • राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारतीय शिक्षा व्यवस्था को वैश्विक मानकों के अनुरूप कर रही

नई शिक्षा नीति में नवाचार, उद्यमिता व विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर जोर

भास्कर न्यूज | कुकदूर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 लागू हुए छह वर्ष पूरे होने पर शासकीय नवीन कॉलेज कुई-कुकदूर में आयोजित परिचर्चा केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं रही, बल्कि विद्यार्थियों को बदलती शिक्षा व्यवस्था और भविष्य की चुनौतियों से जोड़ने का प्रयास बनी।

वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि अब शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री हासिल करना नहीं, बल्कि ऐसे युवाओं को तैयार करना है जो कौशल, नवाचार, अनुसंधान और रोजगार के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकें। नई शिक्षा नीति के तहत विद्यार्थियों को अपनी रुचि के अनुसार विषय चुनने, नई तकनीकों से जुड़ने और स्थानीय स्तर से लेकर वैश्विक मंच तक अपनी पहचान बनाने के अवसर मिल रहे हैं। प्राचार्य प्रो. डॉ. जीए घनश्याम ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारतीय शिक्षा व्यवस्था को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित करने का माध्यम है। यह नीति विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, नवाचार, अनुसंधान, उद्यमिता और रोजगारपरक शिक्षा को प्राथमिकता देती है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे नई व्यवस्था के अवसरों का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनें और विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं।

कौशल और व्यावहारिक अनुभव ही भविष्य की सबसे बड़ी ताकत

कुकदूर. नई शिक्षा नीति के संबंध में चर्चा हुई।

शिक्षा बहुविषयक होने से पढ़ाई से बढ़ेंगे करियर के विकल्प

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के नोडल अधिकारी व सहायक प्राध्यापक रामरती निषाद ने विद्यार्थियों को नीति के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अब शिक्षा बहुविषयक और लचीली हो रही है, जिससे विद्यार्थी विज्ञान, कला और वाणिज्य जैसे पारंपरिक विषयों की सीमाओं से बाहर निकलकर अपनी रुचि के अनुसार पढ़ाई कर सकेंगे। उन्होंने अकादमिक क्रेडिट बैंक, डिजिटल शिक्षा, अनुभवात्मक अधिगम, कौशल आधारित शिक्षण, भारतीय ज्ञान परंपरा और मातृभाषा में अध्ययन जैसी व्यवस्थाओं को महत्वपूर्ण बताया। नई शिक्षा नीति केवल प्रमाणपत्र देने तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में व्यवहारिक ज्ञान, नैतिक मूल्यों का विकास भी करती है। स्टार्टअप, अनुसंधान, इंटर्नशिप और उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे।

विद्यार्थियों ने पूछे सवाल, विशेषज्ञों ने दिए जवाब

विद्यार्थियों ने नई शिक्षा नीति से जुड़े कई प्रश्न पूछे। विषय चयन की स्वतंत्रता, रोजगार के अवसर, डिजिटल शिक्षा, अकादमिक क्रेडिट बैंक और इंटर्नशिप जैसी व्यवस्था को लेकर छात्रों ने अपनी जिज्ञासाएं रखीं। वक्ताओं ने प्रत्येक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि बदलती शिक्षा व्यवस्था में कौशल और व्यावहारिक अनुभव ही भविष्य की सबसे बड़ी ताकत होंगे। विद्यार्थियों ने भी अपने विचार साझा किए और नई शिक्षा नीति को लेकर उत्साह व्यक्त किया।

मातृभाषा से मजबूत होगी बौद्धिक क्षमता: चंद्रशेखर

सहायक प्राध्यापक चंद्रशेखर सिंह राजपूत ने भारतीय भाषाओं और संस्कृति के संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि मातृभाषा में शिक्षा विद्यार्थियों की समझ, सृजनात्मकता और आत्मविश्वास को मजबूत बनाती है। भारतीय ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक मूल्यों को शिक्षा से जोड़ना विकसित भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। नई शिक्षा नीति भारतीय भाषाओं का संरक्षण करने में उपयोगी है।

शिक्षित भारत-सक्षम भारत का लिया संकल्प

कार्यक्रम के समापन पर सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों ने शिक्षित भारत सक्षम भारत विकसित भारत के संकल्प को दोहराया। कॉलेज परिवार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की छठी वर्षगांठ पर इसके प्रभावी क्रियान्वयन में सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जित करना नहीं, बल्कि संस्कार, अनुशासन और जीवन मूल्यों को अपनाना भी है।

दैनिक भास्कर

2026-08-06

कवर्धा-बेमेतरा (3

छात्रों को पढ़ाया राष्ट्र और संस्कृति का पाठ

भास्कर न्यूज | कुकदूर

ग्राम कुई- कुकदूर स्थित नवीन महाविद्यालय ने विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य से जोड़ने की पहल की है। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की जयंती पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्टूडेंट्स को भारतीय संस्कृति, राष्ट्रप्रेम और नैतिक मूल्यों से जोड़ने का प्रयास हुआ।

शासकीय नवीन महाविद्यालय, कुई-कुकदूर में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने राष्ट्रकवि की रचनाओं का पाठ किया। उनके विचारों पर चर्चा की और साहित्य की वर्तमान समय में उपयोगिता को समझा।

कुकदूर. राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की जयंती मनाई गई।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जीए घनश्याम ने कहा कि साहित्य केवल परीक्षा पास करने का माध्यम नहीं, बल्कि बेहतर इंसान बनने का आधार है। उन्होंने विद्यार्थियों से महान साहित्यकारों की रचनाएं पढ़ने और उन्हें जीवन में उतारने का आह्वान किया।

विद्यार्थियों ने भी रखे विचार

कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रकवि की प्रसिद्ध रचनाओं का वाचन किया और उनके साहित्य पर अपने विचार व्यक्त किए। प्रश्नोत्तर सत्र में विद्यार्थियों ने साहित्य, भाषा और राष्ट्रवाद से जुड़े सवाल पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने उत्तर दिया।

भारत-भारती से लेकर साकेत तक की हुई चर्चा

मुख्य वक्ता शासकीय एसएनजी महाविद्यालय मुंगेली के सहायक प्राध्यापक (हिंदी) मिथलेश सिंह राजपूत ने मैथिलीशरण गुप्त के साहित्यिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भारत-भारती, साकेत, यशोधरा, जयद्रथ वध और पंचवटी जैसी रचनाएं आज भी समाज को दिशा देने वाली कृतियां हैं। सहायक प्राध्यापक चंद्रशेखर सिंह राजपूत ने कहा कि गुप्त जी ने सरल भाषा में ऐसा साहित्य लिखा, जिसे आम लोगों ने भी अपनाया। जिसने राष्ट्र चेतना को मजबूत किया।

दैनिक भास्कर
कवर्धा-बेमेतरा 03-08-2026

एलुमनी एसोसिएशन बनाएंगे • बैठक में छात्रवृत्ति, पुस्तक सहायता, नियमित एलुमनी मीट का रखा प्रस्ताव

कुई-कुकदूर कॉलेज में पूर्व छात्र देंगे करियर गाइडेंस

भास्कर न्यूज | कुकदूर

वनांचल क्षेत्र में स्थित शासकीय नवीन महाविद्यालय कुई- कुकदूर अब अपने विकास के लिए केवल सरकारी संसाधनों पर निर्भर नहीं रहेगा। महाविद्यालय प्रशासन ने पहली बार पूर्व विद्यार्थियों (एलुमनी) को संस्थान के विकास से जोड़ने की पहल शुरू की है। इसके लिए एलुमनी एसोसिएशन के गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

यह एसोसिएशन आने वाले समय में विद्यार्थियों के लिए करियर गाइडेंस, प्लेसमेंट, छात्रवृत्ति, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और संसाधन जुटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कुकदूर. एलुमनी एसोसिएशन के गठन को लेकर हुई बैठक।

ग्रामीण और आदिवासी अंचल के इस महाविद्यालय में आयोजित बैठक में पूर्व विद्यार्थियों ने केवल औपचारिक सदस्य बनने की बजाय संस्थान के विकास में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया। कुई- कुकदूर जैसे दूरस्थ क्षेत्रों के महाविद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती उच्च शिक्षा, करियर मार्गदर्शन और रोजगार संबंधी जानकारी की कमी रहती है। ऐसे में महाविद्यालय प्रशासन पूर्व छात्रों के अनुभव को वर्तमान विद्यार्थियों तक पहुंचाने की रणनीति पर काम कर रहा है।

सिर्फ बैठक ही नहीं हुई तैयार किया गया रोडमैप

बैठक में केवल एलुमनी एसोसिएशन के गठन पर चर्चा हुई। साथ ही इसके माध्यम से भविष्य में किए जाने वाले कार्यों का भी प्रारूप तैयार किया गया। पूर्व विद्यार्थियों ने सुझाव दिए कि आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति की व्यवस्था की जाए। प्रतियोगी परीक्षाओं और करियर काउंसिलिंग के नियमित सत्र आयोजित हों। प्लेसमेंट और रोजगार के अवसरों की जानकारी साझा की जाए। पुस्तक बैंक और अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाए। हर वर्ष एलुमनी मीट आयोजित किया जाए।

पूर्व छात्र ही संस्थान की असली ताकत: प्राचार्य

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जीए घनश्याम ने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान की वास्तविक पहचान उसके पूर्व विद्यार्थियों से बनती है। उनके अनुभव और सहयोग से वर्तमान विद्यार्थियों को नई दिशा मिल सकती है। सहायक प्राध्यापक सीएस राजपूत ने एलुमनी एसोसिएशन की कार्यप्रणाली और उद्देश्य पर विस्तार से जानकारी दी। वहीं आईक्यूएसी समन्वयक रामरती निषाद ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत गुणवत्ता सुधार में एलुमनी नेटवर्क की भूमिका का उल्लेख किया।

दैनिक भास्कर कवर्धा-बेमेतरा 04-08-2026

कॉलेज में 'कल, आज और कल' पर हुई परिचर्चा

भास्कर न्यूज | कुकदूर

शासकीय नवीन महाविद्यालय, कुई-कुकदूर में मुंशी प्रेमचंद जयंती पर 'प्रेमचंद: कल, आज और कल' विषय पर परिचर्चा हुई। आयोजन प्रशासनिक भवन के संगोष्ठी कक्ष में किया गया। उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों को प्रेमचंद के साहित्य, उनके सामाजिक सरोकार, समकालीन संदर्भों से जोड़ना रहा।

मुख्य वक्ता सहायक प्राध्यापक हिन्दी सीएस राजपूत ने कहा कि प्रेमचंद का साहित्य अपने समय का दस्तावेज नहीं है। आज भी सामाजिक विषमता, मानवीय मूल्य, ग्रामीण जीवन, शिक्षा, समानता, नैतिक चेतना जैसे मुद्दों पर उतना ही प्रासंगिक है। उन्होंने गोदान, गबन, कर्मभूमि, ईदगाह, कफन का जिक्र किया। प्रेमचंद की साहित्यिक दृष्टि, सामाजिक प्रतिबद्धता पर बात रखी। विद्यार्थियों से गंभीर अध्ययन करने की अपील की। समाज के प्रति संवेदनशील नजरिया विकसित करने को कहा। प्राचार्य डॉ. जीए घनश्याम ने कहा कि प्रेमचंद ने लेखन से भारतीय समाज की वास्तविकताओं को प्रभावशाली ढंग से सामने रखा। उन्होंने विद्यार्थियों को उत्कृष्ट साहित्य पढ़ने की प्रेरणा दी। कहा कि साहित्य व्यक्तित्व निर्माण, नैतिक विकास, चेतना बढ़ाने का माध्यम है।

कुकदूर. परिचर्चा कार्यक्रम हुआ।

छात्र-छात्राएं हुए शामिल संकल्प भी लिया गया

कार्यक्रम में रामसती निषाद, सहायक प्राध्यापक प्राणिशास्त्र मौजूद रहे। महाविद्यालय के प्राध्यापक, अधिकारी-कर्मचारी, बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं भी शामिल हुए। परिचर्चा में विद्यार्थियों ने विचार रखे। प्रेमचंद के साहित्य की आज के समय में उपयोगिता पर चर्चा हुई। प्रतिभागियों ने प्रेमचंद के साहित्यिक योगदान को याद किया। उनके विचार समाज, शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।